दिल्ली पब्लिक स्कूल जम्मू

सत्र :- 2024-25

अभ्यास कार्य पत्र -5

माह:- दिसंबर

कक्षा:- सातवीं **विषय**:- **हिंदी**

प्र०1:-निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :-

एक राजा के दो लड़के थे। दोनों भाइयों का स्वभाव अलग-अलग था। इसलिए राजा ने अपने राज्य के दो हिस्से कर दोनों को एक-एक हिस्सा दे दिया। राजा के मरने के बाद पहले भाई ने जनता को सुखी रखने का प्रयास किया। दुखी लोगों की सहायता की. सेना को प्रसन्न रखा। उसका राज्य शक्तिशाली हो गया। धनी व्यापारी बेखटके व्यापार करने लगे। उसका यश चारों ओर फैल गया।अनेक राजा स्वयं उसके अधीन हो गए। दूसरे भाई ने किसानों पर टैक्स बढ़ा दिया। व्यापारियों से बेईमानी की। गरीबों पर अत्या किए। स्वयं भी दुखी रहा और प्रजा को भी दुखी रखा। विदेशी व्यापारियों ने उसके राज्य से व्यापार बंद कर दिया। किसान भाग खेती बर्बाद हुई। लोग भूखे मरने लगे। वह स्वयं अपना शत्रु बन गया। उसे अपने राज्य से हाथ धोना पड़ा।

1.राजा ने अपने राज्य के कितने हिस्से किए?

क) चार

ख) तीन

ग) दो

2 राजा के मरने के बाद पहले भाई ने अपनी प्रजा को कैसे रखने का प्रयास किया?

क) दुखी

ख) सुखी और प्रसन्न

ग) भूखा

3. दूसरे भाई ने व्यापारियों के साथ क्या किया?

क) बेईमानी

ख) मदद

ग) अत्याचार

4. 'बेखटके' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग -अलग करके लिखिए ।

5. उपर्युक्त गठ्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

प्र०2:- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

क) मोर- मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?

ख) बसंत ऋतु में नील कंठ के लिए जालीघर में रहना असहनीय क्यों हो जाता था ?

प्र०3:-निर्देशानुसार उत्तर लिखिए:-

क) क्रिया के .....भेद होते है । (रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

ख) दादी माँ <u>रामायण</u> पढ़ रही है । (रेखांकित क्रिया शब्द का भेद लिखिए)

ग) १) राकेश साइकिल चला रहा है। (क्रिया शब्द रेखांकित करें और उसके भेद का नाम लिखिए)

२) बालक दौड़ रहा है।

प्र०4:-अपने छोटे भाई को समय के सदुपयोग के महत्व के बारे में बताते हुए 60-70 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्र०5:-परीक्षा में पुत्र के कम अंक आने पर पिताजी और पुत्र के मध्य होने वाले संवाद को 8 से 10 पंक्तियों में लिखिए।

प्र०6:-**निम्नलिखित विषय पर 60-70 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।**

वनों का महत्व

संकेत बिंदु

- पेड़ -पौधों का मनुष्यों से संबंध
- पेड़- पौधों से लाभ
- पेड़- पौधों के बिना जीवन खतरे में
- वन महोत्सव सराहनीय कदम